



लोक सभा सचिवालय  
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध  
संसद भवन, नई दिल्ली  
LOK SABHA SECRETARIAT  
Press and Public Relations Wing  
Parliament House, New Delhi

## प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

**DEVELOPMENT HAS PLAYED EFFECTIVE ROLE IN COMBATING TERRORISM IN NE REGION: LOK SABHA SPEAKER / विकास ने पूर्वोत्तर भारत में उग्रवाद का मुकाबला करने में प्रभावी भूमिका निभाई है: लोकसभा अध्यक्ष**

...

**SITUATION IS CHANGING IN THE NORTHEAST REGION, ALL ARE CONVINCED TODAY THAT MILITANCY IS NOT SOLUTION TO ANY PROBLEM: LOK SABHA SPEAKER / आज पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थितियां बदल रही हैं, आज सभी मान रहे हैं कि उग्रवाद किसी समस्या का समाधान नहीं है :लोकसभा अध्यक्ष**

...

**WE SHOULD WORK TO ENHANCE TRUST AND CONFIDENCE OF PEOPLE IN DEMOCRACY: LOK SABHA SPEAKER / आमजन में लोकतंत्र के प्रति आस्था, विश्वास और भरोसे को बढ़ाने के लिए काम करना होगा:लोकसभा अध्यक्ष**

...

**STRENGTHENING DEMOCRACY AT GRASSROOTS LEVEL HELPS IN COMBATING EXTREMISM: LOK SABHA SPEAKER/ GRASSROOTS स्तर पर लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करने से उग्रवाद को समाप्त किया जा सकता है:लोकसभा अध्यक्ष**

...

**DR. AMBEDKAR WISHED TO ESTABLISH SOCIAL DEMOCRACY ALONG WITH POLITICAL DEMOCRACY IN THE COUNTRY: LOK SABHA SPEAKER / डा. अम्बेडकर देश में राजनैतिक लोकतंत्र के साथ सामाजिक लोकतंत्र की भी स्थापना चाहते थे :लोकसभा अध्यक्ष**

...

**LOK SABHA SPEAKER INAUGURATES COMMONWEALTH PARLIAMENTARY ASSOCIATION INDIA REGION (ZONE III) CONFERENCE / लोकसभा अध्यक्ष ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र (जोन III) सम्मेलन का उद्घाटन किया**

**Itanagar; 12 May, 2022:** Lok Sabha Speaker, Shri Om Birla, inaugurated the Commonwealth Parliamentary Association India Region (Zone III) Conference at Arunachal Pradesh Legislative Assembly, today.

Speaking on this occasion, Shri Birla said that democracy in India has been continuously strengthened in the journey of 75 years of our country. Much development has taken place in the 75 years since independence, but due to various reasons, there are still gaps in fields of infrastructure, education, health, security and connectivity and these gaps needs to be filled up by improving the pace of development, he observed. Referring to Babasaheb Dr. Bhimrao Ambedkar's idea that efforts should be made to establish social democracy along with political democracy in the country, Shri Birla said that the biggest challenge before us is to create such a social, political, economic and legal conditions that enables every section of our society to participate in the governance process to its fullest potential. We have to brainstorm on how our institutions should be more sensitive to the problems of the people and how people can participate more actively in the decision process at every level from Panchayat to Parliament, Shri Birla said. In this regard, it is responsibility of people's representatives to maintain and improve the trust and confidence of the people in democratic institutions, emphasized Shri Birla.

Mentioning about development in the North-East region and their challenges, Shri Birla said that the Government of India has taken many important decisions for infrastructure development under the 'Act East Policy', which are being implemented rapidly. Still challenges are there but along with the challenges, North-East region has immense potentialities and strengths that can be converted into opportunities, he felt. Further speaking, Shri Birla highlighted that an action

plan should be formulated for development of the North-East region on the basis of its strengths for sustainable development. Observing that there is a demand for organic farming and organic products and North-East region has tremendous potential in this field, Shri Birla stressed on increase in production and proper marketing of these products for availing opportunities at the global level. There is a need to encourage tourism by developing tourism infrastructure in the North East region, said Shri Birla. Mentioning that the biggest challenge is to effectively utilize the potential of the human resource for the development of the region, he said that we need to formulate policies according to the needs and aspirations of the people so as to maximize welfare and bring about a positive change in their socio-economic conditions of the region.

Speaking on sustainable development, Shri Birla mentioned about development models which will ensure protection of culture and identity of the people of the North-East region. We can neither compromise on development nor culture of the region, emphasized Shri Birla.

Emphasizing that the more we penetrate democracy at the grassroots level in States the more we will bring positive changes in the society and welfare of people, Shri Birla observed that the development outcomes through democratic means will eliminate extremism and terrorism. It is the responsibility of democratic institutions to interact among themselves, share best practices and work collectively for people's welfare, fulfilling their hopes and aspirations, said Shri Birla.

Speaking on the Commonwealth Parliamentary Conference, Shri Birla said that the Conference is an opportunity to discuss ways to further enrich parliamentary democracy. Parliamentary democracy will be strengthened by sharing of ideas, innovations and traditions, he stressed.

On this occasion, Shri Birla inaugurated state of the art Museum of the Arunachal Pradesh Legislative Assembly. He also visited Assembly Library and Expo in Assembly Complex and Jawaharlal Nehru State Museum.

Shri Harivansh, Deputy Chairman, Rajya Sabha; Shri Pasang Dorjee Sona, Speaker of Arunachal Pradesh Legislative Assembly; Shri Pema Khandu, Chief Minister of Arunachal Pradesh and other dignitaries graced the event.

**ईटानगर; 12 मई, 2022:** आज लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने अरुणाचल प्रदेश विधानसभा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र (जोन III) सम्मेलन का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि हमारे देश की 75 वर्षों की यात्रा में भारत में लोकतंत्र लगातार सुदृढ़ होता रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद के 75 वर्षों में बहुत विकास हुआ है, लेकिन व भन्न कारणों से अभी भी बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और संपर्क क्षेत्रों में अंतर वद्यमान हैं और विकास की गति में सुधार करके इस अंतर को कम करने की आवश्यकता है। बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर के इस विचार का उल्लेख करते हुए कि देश में राजनीतिक लोकतंत्र के साथ-साथ सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना के लिए प्रयास किए जाने चाहिए , श्री बिरला ने कहा कि हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती ऐसी सामाजिक , राजनीतिक, आर्थिक और कानूनी स्थिति उपन्न करना है जिससे हमारे समाज के प्रत्येक वर्ग को शासन प्रक्रिया में अपनी पूरी क्षमता के साथ भाग लेने में सक्षम बनाया जा सके । श्री बिरला ने कहा कि हमें इस बात पर विचार-वमर्श करना होगा कि हमारी संस्थाओं को लोगों की समस्याओं के प्रति कैसे अधिक संवेदनशील बनाया जाये और लोग किस प्रकार पंचायत से संसद तक प्रत्येक स्तर पर निर्णय प्रक्रिया में अधिक सक्रिय रूप से भाग ले सकें। इस संबंध में श्री बिरला ने जोर देते हुए कहा कि जन प्रतिनिधियों की यह जिम्मेदारी है कि वे लोगों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति भरोसे और विश्वास को बनाए रखें और उसमें वृद्ध करें ।

श्री ओम बिरला ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में विकास और उनमें चुनौतियों के बारे में उल्लेख करते हुए यह कहा कि भारत सरकार ने “एक्ट ईस्ट नीति” के अंतर्गत अवसंरचना विकास के लिए बहुत से महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं , जिन्हें शीघ्रतापूर्वक कार्यान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनौतियां अभी भी हैं परन्तु चुनौतियों के साथ , पूर्वोत्तर क्षेत्र में अत्यधिक क्षमता और संभावनाएं हैं जिन्हें अवसर में परिवर्तित किया जा सकता है। श्री बिरला ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए सतत विकास की इसकी क्षमता के आधार पर एक कार्य योजना बनाई जानी चाहिए। श्री

बिरला ने यह देखते हुए कि जैविक खेती और जैविक उत्पादों की मांग है और पूर्वोत्तर क्षेत्र में इस क्षेत्र में अत्यधिक संभावना है, वैश्विक स्तर पर अवसरों का उपयोग करने के लिए इन उत्पादों के उत्पादन बढ़ाने और उच्चतम गुणवत्ता पर बल दिया। श्री बिरला ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन अवसंरचना के विकास के द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने यह उल्लेख किया कि इस क्षेत्र के विकास के लिए मानव संसाधन की क्षमता का प्रभावकारी ढंग से उपयोग करना सबसे बड़ी चुनौती है और यह कहा कि हमें लोगों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुसार नीति तैयार करने की आवश्यकता है ताकि कल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके और इस क्षेत्र में लोगों की सामाजिक-स्थिति में सकारात्मक आर्थिक परिवर्तन लाया जा सके।

सतत विकास पर बोलते हुए श्री बिरला ने विकास मॉडलों का उल्लेख किया जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों की संस्कृति और पहचान की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। श्री बिरला ने जोर देकर कहा कि हम न तो क्षेत्र के विकास और न ही संस्कृति से समझौता कर सकते हैं।

इस बात पर जोर देते हुए कि जितना अधिक हम राज्यों में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र में प्रवेश करेंगे, उतना ही हम समाज और लोगों के कल्याण में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगे, श्री बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीकों से विकास के परिणाम स्वरूप उग्रवाद और आतंकवाद समाप्त होगा। श्री बिरला ने कहा कि यह लोकतांत्रिक संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि वे आपस में बातचीत करें, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करें और लोगों के कल्याण के लिए सामूहिक रूप से काम करें, उनकी आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करें।

राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन के बारे में श्री बिरला ने कहा कि यह सम्मेलन संसदीय लोकतंत्र को और समृद्ध बनाने के तरीकों पर चर्चा करने का अवसर है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वचारों, नवाचारों और परंपराओं को साझा करके संसदीय लोकतंत्र को मजबूत किया जाएगा।

इस अवसर पर श्री बिरला ने अरूणाचल प्रदेश वधान सभा के अत्याधुनिक संग्रहालय का उद्घाटन किया। उन्होंने वधानसभा परिसर में वधानसभा के ग्रंथागार एवं एक्सपो और जवाहरलाल नेहरू राज्य संग्रहालय का भी दौरा किया।

इस कार्यक्रम में श्री हरिवंश , उपसभापति, राज्य सभा ; श्री पासांग दोरजी सोना , अरूणाचल प्रदेश वधानसभा के अध्यक्ष ; श्री पेमा खांडू , अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।